

रोपण

वर्ष-2 अंक-4 माह- दिसंबर 2021 हिन्दी/अंग्रेजी मासिक पत्रिका राजनांदगांव से प्रकाशित पृष्ठ-36, मूल्य- 40/- रुपए

**Terrace Gardening
for a green future**



**सूरजमुखी की उन्नत खेती
की संपूर्ण जानकारी**

**छत्तीसगढ़
में अगेती
फूलगोभी की
वैज्ञानिक खेती**

RNI NO.- CHHBIL/2020/79641

रोपण (मासिक)

वर्ष-02 अंक-04 माह- दिसम्बर 2021 मूल्य-40/-



संपादक
अमित नामदेव



सह-संपादक
गौरव कुमार



तकनीकी संपादक
श्री द्विवेदी प्रसाद
श्री ईश्वरी साहू
डॉ. वंदना शुक्ला
डॉ. धर्म प्रकाश श्रीवास्तव



कानूनी सलाहकार
रीमा चेलक
(अधिवक्ता)

मुद्रण का स्थान

सागर प्रिंटर्स, पुरानी बस्ती, अमीन पारा रायपुर
(छ.ग.) पिन कोड-492001

अंदर के पन्नों में.....

आवरण कथा	अनुक्रम
मासिक कृषि एवं पशुपालन कार्ययोजना (दिसम्बर)....	3
ट्राईबल इंडिया महोत्सव में कोरिया जिले के कृषि उत्पाद....	4
आदिवासी क्षेत्रों में विकास की नयी रौशनी फैलाएगी, चिराग ...	5
सूरजमुखी की उन्नत खेती की संपूर्ण जानकारी....	6
अलसी- एक बहुउपयोगी फसल....	8
करेले के खेती	10
मिर्च में चूसक कीटों का प्रकोप एवं प्रबंधन ...	11
लाख कीड़ों के शत्रु और उनका प्रबंधन.....	12
प्लांट टिशुकल्चर प्रकार एवं उपयोग....	15
छत्तीसगढ़ में अगेती फूलगोभी की वैज्ञानिक खेती...	17
कृत्रिम गर्भाधान.....	19
ब्यात के समय एवं ब्यात के बाद गाय एवं भैंस की	21
राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों के	22
चने की उन्नत खेती एवं उत्पादन तकनीक.....	23
मृदा उर्वरता प्रबंधन..	25
TERRACE GARDENING FOR A GREEN	28
The need of digital marketing for agriculture	31
The Organic Farming Concept in India	34

-: प्रधान कार्यालय :-

सिंचाई कालोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव (छ.ग.)
ई.मेल.-ropan.info@gmail.com
फोन नं.- 9174454149

समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र राजनांदगांव होगा। मासिक रोपण में प्रकाशित लेख, सामग्री में संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है, उसमें किसी भी प्रकार का दावा या विचार मान्य नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित नामदेव द्वारा सागर प्रिंटर्स, पुरानी बस्ती अमीन पारा रायपुर से मुद्रित कर व म.नं.-755/3, वार्ड नं.-29, सिंचाई कालोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव से प्रकाशित। संपादक-अमित नामदेव। मो.नं.-9174454149

- डॉ. पी. मूवेंथन, डॉ. रेवेन्द्र कुमार साहू, प्रवीण बनवाशी एवं तोरण निषाद
आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेकस्ट्रेस मैनेजमेंट(ICAR-NIBSM), बरोंडा, रायपुर, छत्तीसगढ़

फूलगोभी की खेती वर्षभर की जाती है इसका उपयोग सब्जियों के अलावा अचार, सूप तथा पकोड़े बनाने में किया जाता है। इसमें विटामिनबी, सी, के, कार्बोहाइड्रेट एवं प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में पायी जाती है, जो की मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी होती है।

भा. कृ. अनु.प.- राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (ICAR-NIBSM), रायपुर द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, राजनांदगांव मे चलाये जा रहे डी.बी.टी. बायोटेक किसान हब परियोजना के माध्यम से किसानों के खेत में अगेती फूलगोभी का प्रदर्शन किया गया है, जिसके अंतर्गत उन्नत बीज, पॉलीमल्लिंग, ड्रिप सिंचाई, आदि प्रदान किया गया तथा वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकों का प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन आयोजित किया गया।

मिट्टी एवं जलवायु

फूलगोभी की खेती के लिए अच्छी जलनिकास वाली बलुईदोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है। भूमि का पी एच 5.5 से 6.5 होना चाहिए इसके पौधों और फूलों के अच्छे विकास के लिए ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है।

खेत की तैयारी

टपक सिंचाई प्रणाली में खेत की तैयारी के लिए एक जोताई मिट्टी पलटने वाले हल से एक जोताई

छत्तीसगढ़ में अगेती

फूलगोभी की वैज्ञानिक खेती



करके उसमे दो बार रोटावेटर चलाकर उसमे रिजर की सहायता से 4 फीट की दूरी पर बेड बनाया जाता है। उस बेड पर प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद 5 टन, लाल पोटाश 125 कि.ग्रा., डी ए पी 125 कि.ग्रा., माइक्रोन्यूट्रीएन्ट 25 कि.ग्रा. को मिलाकर छिड़क दिया जाता है, तथा बेड पर लेटरलपाइप और मल्लिंग को बिछाकर मल्लिंग में एक-एक फीट की दूरी पर छेद बनाया जाता है।

उन्नत किस्में

अगेती किस्में- पूसादीपाली, अर्ली कुंवारी

पछेती किस्में- स्रोबाल 16, पूसास्रोबाल- 1, पूसास्रोबाल के- 1

बीजदर- 375 ग्राम प्रति हेक्टेयर

पौधे की तैयारी

पौधे को प्रो ट्रे में तैयार करने के लिए एक हेक्टेयर के लिए 98 सेल वाले 308 प्रो ट्रे की आवश्यकता होती है। इस प्रो ट्रे में कोकोपिट को भर के उसमे हर सेल में एक बीज डालकर उसको पॉलिथिन शीट से 5 दिनों तक ढककर रखते हैं। 5 दिनों के पश्चात उसमे अंकुरण की शुरुआत होने पर

खाद एवं उर्वरक

टपक सिंचाई प्रणाली में निम्नलिखित प्रकार से उर्वरक दिया जाता है-

दिन	उर्वरक	मात्रा	अवस्था	कुल/हेक्टेयर
1 से 28	19:19:19 (NPK)	7.5 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	सफेद पोटाश	7.5 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	यूरिया	7.5 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	कैल्शियमनाइट्रेट	7.5 कि.ग्रा.	दो सप्ताह में एक बार	15 कि.ग्रा.
	बोरान	1.250 ग्राम	दो सप्ताह में एक बार	2.5 कि.ग्रा.
29 से 42	12:61:00 (NPK)	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	20 कि.ग्रा.
	यूरिया	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	20 कि.ग्रा.
	सफेद पोटाश	15 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	कैल्शियमनाइट्रेट	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	20 कि.ग्रा.
	13:00:45 (NPK)	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	20 कि.ग्रा.

	अमोनियमसल्फेड	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	20 कि.ग्रा.
	मैग्नीशियमसल्फेड	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	20 कि.ग्रा.
43 से 63	16:08:24 (NPK)	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	12:61:00 (NPK)	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	13:40:13 (NPK)	7.5 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	22.5 कि.ग्रा.
	13:00:45 (NPK)	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	कैल्शियमनाइट्रेट	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	अमोनियमसल्फेड	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	मैग्नीशियमसल्फेड	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.
	बोरान	1.250 ग्राम	सप्ताह में एक बार	3.750कि.ग्रा.
	सफेद पोटाश	10 कि.ग्रा.	सप्ताह में एक बार	30 कि.ग्रा.

उसको शेडनेट के अन्दर रखकर NPK 19:19:19 और मैग्नीज के 0.5 प्रतिशत को हजारों के माध्यम से देते हैं। 25 दिनों के पश्चात पौधा रोपाई के लिए तैयार हो जाता है।

रोपाई

रोपाई के लिए टपक सिंचाई प्रणाली में एक-एक फीट की दूरी पर बनाए गए छेद में एक पौधे की रोपाई की जाती है। एक हेक्टेयर में लगभग 30000 पौधे की रोपाई की जाती है।

सिंचाई

फूलगोभी के पौधे को अधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है। पौधों की रोपाई के बाद तुरंत सिंचाई करनी चाहिए, तथा हफ्ते में दो सिंचाई करनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

मल्लिचंग में फसल होने पर खरपतवार कम उगते हैं। तथा खाली जगह पर खरपतवार होने पर उसको हाथ से उखाड़कर फेंकना चाहिए।

कीट

1 कटुआ इल्ली- वयस्क शलभो को पकड़ने के लिए रात के समय प्रकाश प्रपंच का प्रयोग करें तथा क्लोरपायरीफॉस 2 एमएल प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

2 माहू- इसके लिए पीले रंग के चिपचिपे प्रपंच का प्रयोग करें तथा डायमेटोएट 30%EC उसको 10 लीटर पानी में घोलकर स्प्रे करें।

3 हीरक पृष्ठ पतंगा (डायमंडबैकमौथ)- इसके लिए 12 फेरोमोनट्रेप का प्रति हेक्टेयर के हिसाब से प्रयोग करना चाहिए या कार्टापहाइड्रोक्लोराइड का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करना चाहिए।



रोग

1 झुलसा रोग- इस रोग से बचाव के लिए मेन्कोजेब या कॉपरऑक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

2 पौध गलन रोग- बीजों को रोपाई से पहले थिरम, बाविस्टिन या कैप्टान से उपचार करना चाहिए।

3 ब्लैक रॉट रोग- कॉपरऑक्सीक्लोराइड 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर जड़ों को उपचार करके लगाना चाहिए।

4 काला धब्बा रोग- डायथेन एम-45 को 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अंतराल पर 3 छिड़काव करना चाहिए।

5 मृदुरोमिल- रिडोमिलएमजेड 72 एक ग्राम प्रति लीटर की दर से या डायथेनएम 45 का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 10 से 15 दिनों के अंतराल में छिड़काव करें।

फूलगोभी में दैहिक विकार या कार्यात्मिक विकार

1 ब्राउनस्पॉट- यह बोरोन की कमी से होता है। इसको 1 किलो बोरेक्स को 500 लीटर पानी में

घोलकर रोपाई के 30 दिन के बाद स्प्रे करके नियंत्रित किया जा सकता है।

2 बटनिंग- यह नाइट्रोजन की कमी से होता है जिसमें फूल पकने से पूर्व छोटे रहकर फटने लगते हैं और पौधे का विकास असामान्य हो जाता है।

3 व्हिप टेल- मोलिब्डेनम की कमी की वजह से पत्तियों का केवल मध्य शिरा का विकास होता है इसको 100 ग्राम सोडियम मोलिब्डेड को 500 लीटर पानी में घोलकर स्प्रे करके ठीक किया जा सकता है।

कटाई

फूलगोभी में फूल जब पूरी तरह से ठोस और विकसित हो जाएँ तो इसकी कटाई करनी चाहिए। अगती किस्में रोपाई से लगभग 60-70 दिनों में कटाई के लायक हो जाती है।

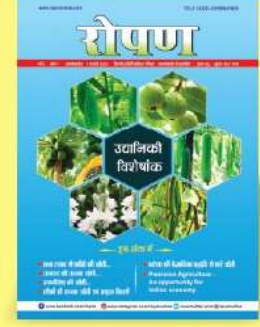
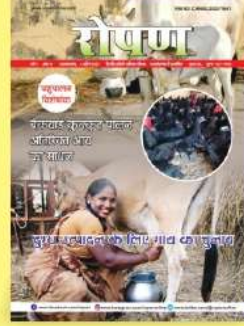
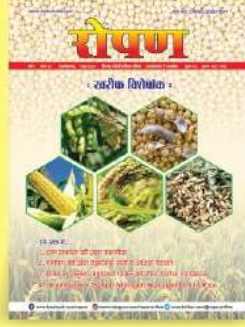
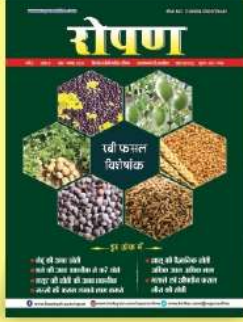
उपज

प्रति हेक्टेयर फूलगोभी की उपज 150-200 क्विंटल तक होती है, तथा इसकी कीमत 20 -30 रुपये प्रति किलोग्राम के दर से प्राप्त होता है।

○○○○○

दिसंबर 2021

रोपण मासिक कृषि पत्रिका



कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं ग्रामीण विकास पर
आधारित मासिक पत्रिका

रोपण पत्रिका
की सदस्यता शुल्क

■ 1 वर्ष - ₹. 500/- ■ 2 वर्ष - ₹. 900/- ■ 3 वर्ष - ₹. 1400/-

बैंक के माध्यम से राशि भेजने के लिए :

A/c Name - ROPAN | Bank of Baroda
A/c No. 62530200001589
IFSC - BARB0VJRAJN (B A R B Zero V J R A J N)

: व्यक्तिगत सदस्यता फार्म :

नाम

पूर्ण पता

.....पोस्ट.....तहसील.....

जिला.....राज्य.....पिन कोड.....

मो.नं.ई-मेल.....

नोट : सदस्यता राशि रोपण के नाम से खाता क्रं. में देय मान्य होगा। सुविधा के लिए
ट्रांजेक्शन का विवरण मो. नं. 9174454149 पर व्हाट्सअप करें।

सम्माननीय सदस्यों से अनुरोध:

- समस्त पत्रिकाएं साधारण डाक द्वारा भेजी जाएगी।
- सदस्यों को प्रति न प्राप्त होने की स्थिति में कार्यालय में सूचित करके 20 दिवस के भीतर कार्यालय से संपर्क करें अपनी प्रति प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद दावे पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।



- 9174454149



ROPAN

हस्ताक्षर

पता : मकान नं. 755/3, सिंचाई कॉलोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव, (छ.ग.) - 491441 | मो.नं. 9174454149



Irrigation System

वेदांत सिंप्रंकलर सिंचाई प्रणाली अपनायें... अधिकतम फसल लेकर समृद्धि पायें ।



IS - 14151 Part-2

CM/L-2552958



HDPE COIL



एडाप्टर



टी



पी.सी.एन.



एंड प्लग



बैंड

MFG: VEDANT POLY AGRO

19-21, Industrial State, Rajnandgaon C.G.

Ph.: 07744-225022, Mob.: 93018-99909, 95841-20222

रोपण

—: सदस्यता, लेख एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें :-

अमित नामदेव

संपादक - रोपण

संपर्क : 9174454149, 8103607021

Email : ropan.info@gmail.com

पता : मकान नं. 755/3, सिंचाई कॉलोनी, कैलाश नगर, राजनांदगांव, (छ.ग.) - 491441 | www.ropanonline.com